# पाठ 17. मौसी

## पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य अंतर-वैयक्तिक संबंध का कौशल विकसित करना है ताकि वे विभिन्न व्यक्तियों/प्राणियों से सकारात्मक तरीके से जुड़ने की समझ पैदा कर सकें। मौसी का चरित्र एक बड़े दिल वाले, संवेदनशील मनुष्य का चरित्र है। मौसी का घर या ठिकाना कोई नहीं जानता है। मौसी ने बच्चों से अपनेपन का रिश्ता बनाया। मोहल्ले के बड़ों के लिए बीमार मौसी बोझ हो सकती है लेकिन बच्चों ने मौसी के उदार चरित्र को समझा और वापस ले आए उसे उसी मोहल्ले में।

## पाठ का सार

मौसी का नाम ही मौसी पड़ गया। सबके लिए माँ जैसी। स्कूल जाते बच्चों से खास लगाव रखने वाली मौसी बच्चों के साथ बच्ची हो जातीं। कहानियों का पिटारा बनी मौसी के जीवन में एक वक्त ऐसा आया जब वह अचानक मोहल्ले में नज़र नहीं आईं। बड़ों ने मौसी को उस तरह 'मिस' नहीं किया जैसे बच्चों ने किया। बड़ों की दुनिया में मौसी एक अनावश्यक वस्तु की तरह हो गई तो मौसी गाँव छोड़कर चली गईं। बच्चों ने उन्हें एक पुलिया पर बैठे देखा, उनसे बातें कीं। जब बच्चे दूर चले आए, तो क्या देखते हैं कि मौसी रो रही हैं।

रोती हुई मौसी को बच्चे अकेला न छोड़ सके। वे उन्हें एक चारपाई पर लिटा-बिठाकर अपने मोहल्ले में ले आए। मौसी फिर से वहाँ बस गईं। स्कूल के हेडमास्टर साहब ने उन्हें काम पर भी रखा और रहने के लिए जगह भी दी। ऐसे बस गई मौसी की उजड़ी दुनिया दोबारा से, और वह भी बच्चों के द्वारा।

## अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  इस कहानी में जिन मानवीय पक्षों को छुआ गया है, उन्हें विस्तार से समझाएँ। 'मौसी' का चरित्र प्रतीकात्मक है। इस चरित्र के माध्यम से पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों के बारे में समझाएँ। बच्चों से उनके संस्मरण पूछें। वे अपने घर-परिवार के साथ कितना लगाव रखते हैं, इस बारे में विशेष चर्चा करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 65** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - सकर्मक व अकर्मक क्रिया की परिभाषा दें। उदाहरण देकर समझाएँ कि वाक्य में उनकी पहचान बच्चे कैसे करें।
  - प्रेरणार्थक क्रिया की परिभाषा दें। सामान्य क्रिया व प्रेरणार्थक क्रिया में अंतर भी बताएँ।
  - विशेषण और क्रियाविशेषण से बच्चे परिचित हैं। वाक्य में इन शब्दों की पहचान करने में सहायता करें।
  - बच्चे सरल और छोटे वाक्य बनाएँ व उनमें लिंग-वचन संबंधी त्रुटियाँ न रहें, इस बात का ध्यान रखें।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - ❖ मौसी की चारित्रिक विशेषताएँ बताने के लिए प्रयास करें कि अलग-अलग बच्चे इसके बारे में अपने विचार रखें। उन विचारों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। उनसे पूछें कि मौसी जैसा चरित्र उन्होंने अपने आसपास कहीं देखा है। यदि हाँ, तो कब और कहाँ।